<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

<u>प्रतिदिन करें योग, रहें दूर कैंसर, डायबिटीज़, दिल और किडनी के रोग</u>

सांची विश्वविद्यालय में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

- **'परमात्मा में आत्मा का विलीन हो जाना ही है योग'**
- **'छात्रों के साथ प्राध्यापकों और कर्मचारियों ने भी सीखे योग के आसन'**
- **कपाल भांति, नाभि शोधन प्राणायाम, भ्रामरी गुंजनासन और शवासन**
- **'मन और शरीर को साधने की क्रिया है योग'**
- **सभी ने सीखे अष्टांगासन, शशांकासन, मार्जर आसन और मकर आसन**

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। विश्वविद्यालय के छात्रों के अलावा प्राध्यापकों एवं अधिकारी, कर्मचारियों ने भी योग कर योग दिवस पर अपना योगदान दिया। विश्वविद्यालय के योग विभाग के प्राध्यापकों श्री उपेंद्र बाबू खत्री और श्री श्याम गणपत तिखे के साथ मिलकर योग विभाग के समस्त छात्रों ने सभी सहभागियों को योग के 28 विभिन्न आसनों को करवाया।

योग क्रियाओं की शुरुआत ओंकार, सरगम और अल्लाह-हू से की गई ताकि श्वास और नाभि पर नियंत्रण स्थापित किया जा सके। योग विभाग की पूरी टीम ने सभी आसनों को इतनी सरलता से प्रस्तुत किया कि प्रत्येक व्यक्ति इन्हें प्रतिदिन अपने घर, ऑफिस और अन्य कार्यस्थल पर भी आसानी से अपने ही स्थान पर बैठकर कर सकता है।

ग्रीवाह् संचालन, स्कंध संचालन, कटिचक्रासन, घुटना संचालन, ताड़ासन, वृक्षासन, पाद हस्तासन, अर्ध चक्रासन और त्रिकोणासन के माध्यम से पहले सिर से लेकर पैर तक के सभी हिस्सों को साधा गया। प्राध्यापक श्री श्याम गणपत तिखे ने बताया कि जिस प्रकार से किसी भी वर्जिश को करने से पहले वार्मअप(warm-up) किया जाता है उसी प्रकार से ये आसन, योग क्रियाओं को करने से पहले शरीर की हर नस और जोड़ को वार्मअप कर देते हैं।

इन सरल आसनों के बाद वज्रासन में बैठते हुए सभी को तितली आसन, अर्ध अष्टांगासन, शशांकासन, उत्तानमंडूक आसन, वक्रासन, अर्धवक्रासन, मार्जर आसन, मकर आसन, भुजंग आसन, शलभासन, सेतुबंधासन, पाद संचालन, पवन मुक्तासन, कपाल भांति, नाभि शोधन प्राणायाम, भ्रामरी गुंजनासन और शवासन कराए जाने के बाद भक्ति योग तथा लय योग कराया गया।

इन आसनों को सरल उदाहरणों के माध्यम से कराया गया ताकि इन्हें लोग याद रख सें और 10 से 15 दिन करने के बाद इन्हें प्रतिदिन कर सकें। श्री तिखे ने बताया कि अर्ध अष्टांगासन में ऊंट की आकृति, शशांकासन में खरगोश की आकृति, सेतुबंधासन में पुल की आकृति बनती है।

श्री उपेंद्र बाबू खत्री ने बताया कि योग क्रियाओं की शुरुआत के पहले अपने मन-मस्तिष्क को अहंकार से खाली करते हुए अपने अस्तित्व को इस प्रकार खाली कर देना/खो देना होता है जैसे कोई नदी, समुद्र में मिलकर विलीन हो जाती है। उनका कहना था कि भारत का पारंपरिक योग व्यायाम नहीं है बल्कि समग्रता के साथ योग

क्रियाओं को करते हुए एक अस्तित्व में विलीन हो जाना है। श्री खत्री ने कहा कि योग के ज़रिए ही व्यक्ति परमात्मा को अपनी अंतरात्मा में धारण कर सकता है।

विश्वविद्यालय के योग विभाग के ही प्राध्यापक श्री श्याम गणपत तिखे ने बताया कि योग को अगर मन और शरीर को साधने की प्रक्रिया माना जाए तो भक्ति योग और लय योग के माध्यम से व्यक्ति अपनी भावनाओं को साध सकता है। उनका कहना था कि जो शख़्स भी प्रतिदिन योग करेगा उसे डायबिटीज़, हृदय और किडनी के अलावा कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां भी नहीं होंगी।

योग दिवस कार्यक्रम के अंत में सभी सहभागियों ने शवासन के बाद हास्यासन क्रिया को किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री अदिति कुमार त्रिपाठी ने सभी छात्रों और कर्मचारियों के साथ योग क्रियाएं की और सभी को योग दिवस की बधाई भी दी।

14 नवदुनिया
भोपाल, शनिवार 22 जून 2019

रायसेन जिला

'रोज योग करने से डायबिटीज, हृदय, किडनी और कैंसर जैसी बीमारियों से बचे रहेंगे'

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। विश्वविद्यालय के छात्रों के अलावा प्राध्यापकों एवं अधिकारी, कर्मचारियों ने भी योग कर योग दिवस पर अपना योगदान दिया। विश्वविद्यालय के योग विभाग के प्राध्यापकों उपेंद्र बाबू खत्री और श्याम गणपत तिखे के साथ मिलकर योग विभाग के समस्त छात्रों ने सभी सहभागियों को योग के 28 विभिन्न आसनों को करवाया। योग क्रियाओं की शुरुआत ओंकार, सरगम और अल्लाह-हू से की गई ताकि श्वास और नाभि पर नियंत्रण स्थापित किया जा सके। योग विभाग की पूरी टीम ने सभी आसनों को इतनी सरलता से प्रस्तुत किया कि प्रत्येक व्यक्ति इन्हें प्रतिदिन अपने घर, ऑफिस

रायसेन। सांची विश्वविद्यालय में मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस। ● नवदुनिया

और अन्य कार्यस्थल पर भी आसानी से अपने ही स्थान पर बैठकर कर सकता है। उपेंद्र बाबू खत्री ने बताया कि भारत का पारंपरिक योग व्यायाम नहीं है, बल्कि समग्रता के साथ योग क्रियाओं को करते हुए एक अस्तित्व में विलीन हो जाना है। योग विभाग के प्राध्यापक श्याम गणपत तिखे ने बताया कि प्रतिदिन योग करने से डायबिटीज, हृदय और किडनी के अलावा कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां भी नहीं होंगी। योग दिवस कार्यक्रम के अंत में सभी सहभागियों ने शवासन के बाद हास्यासन क्रिया को किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री अदिति कुमार त्रिपाठी ने सभी छात्रों और कर्मचारियों के साथ योग क्रियाएं की और सभी को योग दिवस की बधाई भी दी।

सांची विश्वविद्यालय में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

12:32 pm or June 21, 2019

दीपक कांकर

रायसेन 21 जून ;अभी तक; सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। विश्वविद्यालय के छात्रों के अलावा प्राध्यापकों एवं अधिकारी, कर्मचारियों ने भी योग कर योग दिवस पर अपना योगदान दिया।

सांची विश्वविद्यालय में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

विश्वविद्यालय के योग विभाग के प्राध्यापकों श्री उपेंद्र बाबू खत्री और श्री श्याम गणपत तिखे के साथ मिलकर योग विभाग के समस्त छात्रों ने सभी सहभागियों को योग के 28 विभिन्न आसनों को करवाया।

ⓘ Not secure | ujjwalpradesh.com/news.php?id=107871&title=आरजीपीवी,%20बीयू,%20हिंदी,%20सांची%20और%20एम्स%20का%20योग%20आसन

Ujjwal Pradesh

फोटो

आरजीपीवी, बीयू, हिंदी, सांची और एम्स का योग आसन

WWW.UJJWALPRADESH.COM | Updated on 22 Jun, 2019 09:54 AM IST

।, 3 मरे

सांची विवि

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में योग दिवस पर छात्र, प्रोफेसर, अधिकारी, कर्मचारियों ने भी योग कर योग दिवस पर अपना योगदान दिया। विश्वविद्यालय के योग विभाग के प्राध्यापकों उपेंद्र बाबू खत्री और श्याम गणपत तिखे के साथ मिलकर योग विभाग के समस्त छात्रों ने सभी सहभागियों को योग के 28 विभिन्न आसनों को करवाया। योग क्रियाओं की शुरूआत ओंकार, सरगम और अल्लाह-हू से की गई ताकि श्वास और नाभि पर नियंत्रण स्थापित किया जा सके। योग विभाग की पूरी टीम ने सभी आसनों को इतनी सरलता से प्रस्तुत किया कि प्रत्येक व्यक्ति इन्हें प्रतिदिन अपने घर, आॅफिस और अन्य कार्यस्थल पर भी आसानी से अपने ही स्थान पर बैठकर कर सकता है। खत्री ने बताया कि योग क्रियाओं की शुरूआत के पहले अपने मन-मस्तिष्क को अहंकार से खाली करते हुए अपने अस्तित्व को इस प्रकार खाली कर देना/खो देना होता है। जैसे कोई नदी, समुद्र में मिलकर विलीन हो जाती है। उनका कहना था कि भारत का पारंपरिक योग व्यायाम नहीं है बल्कि समग्रता के साथ योग क्रियाओं को करते हुए एक अस्तित्व में विलीन हो जाना है। श्री खत्री ने कहा कि योग के जरिए ही व्यक्ति परमात्मा को अपनी अंतरात्मा में धारण कर सकता है। कुलसचिव अदिति कुमार त्रिपाठी ने सभी छात्रों और कर्मचारियों के साथ योग क्रियाएं की।

<u>**प्रेस विज्ञप्ति**</u>

सांची विश्वविद्यालय ने रायसेन के बिलारा गांव में मनाया योग दिवस

- **गांव के लोगों के साथ योग करने की अनूठी पहल**
- **ग्रामीणों को उपलब्ध कराया गया योग और स्वास्थ्य परमार्श**
- **बड़ी संख्या में योग सीखने पहुंचे ग्रामीण**
- **महिलाओं, बच्चों को भी चिकित्सा दल ने दिए परामर्श**

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय ने रायसेन ज़िले के बिलारा गांव के लोगों के साथ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया। विश्वविद्यालय में छात्रों, कर्मचारियों, शिक्षकों द्वारा कल परिसर में योग दिवस कार्यक्रम आयोजित करने के बाद आज यानी 22 जून 2019 को योग विभाग की टीम ने बिलारा गांव में योग के अलावा स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किया। इस शिविर में गांव के लोगों को योग के आसनों के माध्यम से जानकारी दी गई कि इन्हें वे अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करें ताकि रोगों से बच सकें और स्वस्थ्य रह सकें। ग्रामीणों में भी योग क्रियाओं के लिए उत्साह देखा गया।

बिलारा गांव में विश्वविद्यालय के चिकित्सा विभाग की टीम ने सामान्य जांच की और परामर्श प्रदान किए। साथ ही योग विभाग की टीम ने गांव के लोगों को बताया कि किस रोग के निदान के लिए कौन से आसन कारगर होंगे। बड़ी संख्या में गांव के बच्चों, महिलाओं और पुरुषों ने इस योग स्वास्थ्य शिविर में हिस्सा लिया।

योग विभाग के प्राध्यापकों डॉ उपेंद्र बाबू खत्री और डॉ. श्याम गणपत तिखे के साथ-साथ योग विभाग के छात्रों ने ग्रामीणों को योग के आसन बताए। योग विभाग की टीम ने शिविर में सम्मिलित हुए ग्रामीणों को डाइट चार्ट भी प्रदान किए ताकि गांव के लोग कुपोषण से बच सकें। चिकित्सा विभाग की डॉ. अंजलि दुबे और उनकी टीम के सदस्यों श्री कमलेश पाटीदार व श्रीमती नीलिमा चंद्रवंशी ने बिलारा गांव के सामुदायिक केंद्र में आयोजित इस कार्यक्रम में चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया।

विश्वविद्यालय के योग विभाग की टीम और चिकित्सा की टीम ने गांव की आशा कार्यकर्ताओं की टीम को भी एक प्राथमिक ट्रेनिंग प्रदान की ताकि वो बाद में भी गांव वालों को योग के लिए प्रेरित कर सकें।

https://www.bhaskar.com/mp/raisen/news/mp-news-sanchi-university-staff-celebrated-yoga-day-at-bilara-village-090005-4836511.html

सांची विश्वविद्यालय के स्टाफ ने बिलारा गांव में मनाया योग दिवस

Raisen News - **ग्रामीणों को उपलब्ध कराया गया योग और स्वास्थ्य परामर्श, बड़ी संख्या में योग सीखने पहुंचे ग्रामीण भास्कर...**

Bhaskar News Network | Jun 23, 2019, 09:00 AM IST

ग्रामीणों को उपलब्ध कराया गया योग और स्वास्थ्य परामर्श, बड़ी संख्या में योग सीखने पहुंचे ग्रामीण

भास्कर संवाददाता| सांची

बोद्ध विश्वविद्यालय में छात्रों, कर्मचारियों, शिक्षकों द्वारा कल परिसर में योग दिवस कार्यक्रम आयोजित करने के बाद 22 जून को योग विभाग की टीम ने बिलारा गांव में योग के अलावा स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किया। इस शिविर में गांव के लोगों को योग के आसनों के माध्यम से जानकारी दी गई कि इन्हें वे अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करें ताकि रोगों से बच सकें और स्वस्थ्य रह सकें। बिलारा गांव में विश्वविद्यालय के चिकित्सा विभाग की टीम ने सामान्य जांच की और परामर्श प्रदान किए। साथ ही योग विभाग की टीम ने गांव के लोगों को बताया कि किस रोग के निदान के लिए कौन से आसन कारगर होंगे। योग विभाग के प्राध्यापकों डॉ उपेंद्र बाबू खत्री और डॉ श्याम गणपत तिखे के साथ.साथ योग विभाग के छात्रों ने ग्रामीणों को योग के आसन बताए। चिकित्सा विभाग की डॉ. अंजली दुबे और उनकी टीम के सदस्यों कमलेश पाटीदार व नीलिमा चंद्रवंशी ने बिलारा गांव के सामुदायिक केंद्र में आयोजित इस कार्यक्रम में चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया।

SUNDAY पत्रिका

रविवार, 23 जून, 2019

योग दिवस मनाया

बिलारा में स्वास्थ्य परीक्षण कर मनाया योग दिवस

रायसेन. शिविर लगाकर की जांच।

रायसेन. सांची बौद्ध, भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय ने ग्राम बिलारा के लोगों के साथ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया। विश्वविद्यालय के छात्रों, कर्मचारियों, शिक्षकों ने शनिवार 22 जून को योग विभाग की टीम के साथ बिलारा पहुंचकर स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किया। इस शिविर में गांव के लोगों को योग के आसनों के माध्यम से जानकारी दी गई कि इन्हें वे अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करें, ताकि रोगों से बच सकें और स्वस्थ्य रह सकें। ग्रामीणों ने भी योग क्रियाओं के लिए उत्साह देखा। विश्वविद्यालय के चिकित्सा विभाग की टीम ने लोगों की सामान्य जांच की और परामर्श दिए। साथ ही योग विभाग की टीम ने गांव के लोगों को बताया कि किस रोग के निदान के लिए कौन से आसन कारगर होंगे। योग विभाग के प्राध्यापक डॉ. उपेंद्र बाबू खत्री और डॉ. श्याम गणपत तिखे के साथ छात्रों ने ग्रामीणों को योग के आसन बताए।

16 नवदुनिया
भोपाल, रविवार 23 जून 2019

रायसेन जिला

योग दिवस | सांची विश्वविद्यालय ने बिलारा गांव में मनाया योग दिवस, ग्रामीणों को दी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी

योगासन सिखाकर डाइट चार्ट भी प्रदान किए

रायसेन। नवदुनिया प्रतिनिधि

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय ने जिले के बिलारा गांव के लोगों के साथ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया। विश्वविद्यालय में छात्रों, कर्मचारियों, शिक्षकों ने शुक्रवार को परिसर में योग दिवस कार्यक्रम आयोजित करने के बाद शनिवार को योग विभाग की टीम ने बिलारा गांव में योग के अलावा भी आयोजित किया। शिविर में ग्रामीणों को योग के आसनों के माध्यम से जानकारी दी गई कि इन्हें वे अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करें। ताकि रोगों से बच सकें और स्वस्थ्य रह सकें। ग्रामीणों में भी योग क्रियाओं के लिए उत्साह देखा गया। बिलारा गांव में विश्वविद्यालय के चिकित्सा विभाग की टीम ने सामान्य जांच की और परामर्श प्रदान किए। साथ ही योग विभाग की टीम ने ग्रामीणों को बताया कि किस रोग के निदान के लिए कौन से आसन कारगर होंगे। बड़ी संख्या में गांव के बच्चों, महिलाओं और पुरुषों ने इस योग स्वास्थ्य शिविर में हिस्सा लिया। योग विभाग के प्राध्यापकों डॉ उपेंद्र बाबू खत्री और डॉ. श्याम गणपत तिखे के साथ-साथ योग विभाग के छात्रों ने ग्रामीणों को योग के आसन बताए। योग विभाग की टीम ने शिविर में शामिल हुए ग्रामीणों को डाइट चार्ट भी प्रदान किए ताकि गांव के लोग कुपोषण से बच सकें। चिकित्सा विभाग की डॉ. अंजलि दुबे और उनकी टीम के सदस्यों कमलेश पाटीदार व नीलिमा चंद्रवंशी ने बिलारा गांव के सामुदायिक केंद्र में आयोजित इस कार्यक्रम में चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया। विश्वविद्यालय के योग विभाग की टीम और चिकित्सा की टीम ने गांव की आशा कार्यकर्ताओं की टीम को भी एक प्राथमिक ट्रेनिंग प्रदान की ताकि वो बाद में भी गांव वालों को योग के लिए प्रेरित कर सकें।

रायसेन। ग्राम बिलारा में आयोजित योग शिविर में जानकारी देते हुए। ● नवदुनिया

दैनिक जागरण रायसेन
भोपाल, 23 जून 2019

चिकित्सा दल ने दिए परामर्श

रायसेन। सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की योग विभाग की टीम ने बिलारा गांव में योग के अलावा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया। इस शिविर में गांव के लोगों को योग के आसनों के माध्यम से जानकारी दी गई। वहीं चिकित्सा विभाग की टीम ने सामान्य जांच की और परामर्श प्रदान किए। इस दौरान बड़ी संख्या में गांव के बच्चों, महिलाओं और पुरुषों ने इस योग स्वास्थ्य शिविर में हिस्सा लिया।

राष्ट्रीय हिन्दी मेल

भोपाल, रविवार 23 जून 2019

गांव के लोग बड़ी संख्या में योग सीखने पहुंचे, महिलाओं, बच्चों को दिए परामर्श

सांची विश्वविद्यालय ने लगाया ग्राम बिलारा में योग शिविर

निज संवाददाता

रायसेन, 22 जून। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय ने ज़िले के बिलारा गांव के लोगों के साथ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया। विश्वविद्यालय में छात्रों, कर्मचारियों, शिक्षकों द्वारा कल परिसर में योग दिवस कार्यक्रम आयोजित करने के बाद शनिवार को योग विभाग की टीम ने बिलारा गांव में योग के अलावा स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किया।

इस शिविर में गांव के लोगों को योग के आसनों के माध्यम से जानकारी दी गई कि इन्हें वे अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करें ताकि रोगों से बच सकें और स्वस्थ्य रह सकें। ग्रामीणों में भी योग क्रियाओं के लिए उत्साह देखा गया। बिलारा गांव में विश्वविद्यालय के चिकित्सा विभाग की टीम ने सामान्य जांच की और परामर्श प्रदान किए। साथ ही योग विभाग की टीम ने गांव के लोगों को बताया कि किस रोग के निदान के लिए कौन से आसन कारगर होंगे। बड़ी संख्या में गांव के बच्चों, महिलाओं और पुरुषों ने इस योग स्वास्थ्य शिविर में हिस्सा लिया।

स्वास्थ्य शिविर लगा कर किया जागरूक

विश्वविद्यालय के योग विभाग की टीम और चिकित्सा की टीम ने शिविर लगा कर ग्रामीणों को जागरूक किया और योग के आसनों की जानकारी देते हुए बातया की इन्हें वे योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करें और सुबह योग करें , ताकि रोगों से बच सकें और स्वस्थ्य रह सकें। वही ग्रामीणों में भी योग क्रियाओं के लिए उत्साह देखा गया। वही गांव की आशा कार्यकर्ताओं की टीम को भी एक प्राथमिक ट्रेनिंग प्रदान की ताकि वो बाद में भी गांव वालों को योग के लिए प्रेरित कर सकें।

ग्रामीणों को बताए योग आसन

शनिवार को ग्राम बिलरा के ग्रामीणों को योग विभाग के प्राध्यापकों डॉ उपेंद्र बाबू खत्री और डा. श्याम गणपत तिखे के साथ साथ योग विभाग के छात्रों ने योग के आसन बताए।

योग विभाग की टीम ने शिविर में सम्मिलित हुए ग्रामीणों को डाइट चार्ट भी प्रदान किए ताकि गांव के लोग कुपोषण से बच सकें। चिकित्सा विभाग की डॉ.अंजलि दुबे और उनकी टीम के सदस्यों कमलेश पाटीदार व श्रीमती नीलिमा चंद्रवंशी ने बिलारा गांव के सामुदायिक केंद्र में आयोजित इस कार्यक्रम में चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया।

रायसेन जिला हरिभूमि

रविवार 23 जून 2019

सांची यूनिवर्सिटी ने बिलारा गांव में मनाया योग दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायसेन।

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय ने रायसेन जिले के बिलारा गांव के लोगों के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। विश्वविद्यालय में छात्रों, कर्मचारियों, शिक्षकों द्वारा शुक्रवार को परिसर में योग दिवस कार्यक्रम आयोजित करने के बाद शनिवार को योग विभाग की टीम ने बिलारा गांव में योग के अलावा स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किया। इस शिविर में गांव के लोगों को योग के आसनों के माध्यम से जानकारी दी गई कि इन्हें वे अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करें ताकि रोगों से बच सकें और स्वस्थ्य रह सकें। ग्रामीणों में भी योग क्रियाओं के लिए उत्साह देखा गया।

बिलारा गांव में विश्वविद्यालय के चिकित्सा विभाग की टीम ने सामान्य जांच की और परामर्श प्रदान किए। साथ ही योग विभाग की टीम ने गांव के लोगों को बताया कि किस रोग के निदान के लिए कौन से आसन कारगर होंगे। बड़ी संख्या में गांव के बच्चों, महिलाओं और पुरुषों ने इस योग स्वास्थ्य शिविर में हिस्सा लिया। योग विभाग के प्राध्यापकों डॉ उपेंद्र बाबू खत्री और डॉ. श्याम गणपत तिखे के साथ-साथ योग विभाग के छात्रों ने ग्रामीणों को योग के आसन बताए। योग विभाग की टीम ने शिविर में सम्मिलित हुए ग्रामीणों को डाइट चार्ट भी प्रदान किए ताकि गांव के लोग कुपोषण से बच सकें।

Not secure | www.abhitak.news/?p=95663

abhitak.news

HOME STATE NATIONAL FILM AND TV ARTH VYAPAR

सांची विश्वविद्यालय ने रायसेन के बिलारा गांव में मनाया योग दिवस

1:58 pm or June 22, 2019

दीपक कांकर

रायसेन 22 जून ;अभी तक; सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय ने रायसेन ज़िले के बिलारा गांव के लोगों के साथ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया। विश्वविद्यालय में छात्रों, कर्मचारियों, शिक्षकों द्वारा कल परिसर में योग दिवस कार्यक्रम आयोजित करने के बाद आज यानी 22 जून 2019 को योग विभाग की टीम ने बिलारा गांव में योग के अलावा स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किया। इस शिविर में गांव के लोगों को योग के आसनों के माध्यम से जानकारी दी गई कि इन्हें वे अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करें ताकि रोगों से बच सकें और स्वस्थ्य रह सकें। ग्रामीणों में भी योग क्रियाओं के लिए उत्साह देखा गया।

सांची विश्वविद्यालय ने रायसेन के बिलारा गांव में मनाया योग दिवस

बिलारा गांव में विश्वविद्यालय के चिकित्सा विभाग की टीम ने सामान्य जांच की और परामर्श प्रदान किए। साथ ही योग विभाग की टीम ने गांव के लोगों को बताया कि किस रोग के निदान के लिए कौन से आसन कारगर होंगे। बड़ी संख्या में गांव के बच्चों, महिलाओं और पुरुषों ने इस योग स्वास्थ्य शिविर में हिस्सा लिया।

योग विभाग के प्राध्यापकों डॉ उपेंद्र बाबू खत्री और डॉ. श्याम गणपत तिखे के साथ-साथ योग विभाग के छात्रों ने ग्रामीणों को योग के आसन बताए। योग विभाग की टीम ने शिविर में सम्मिलित हुए ग्रामीणों को डाइट चार्ट भी प्रदान किए ताकि गांव के लोग कुपोषण से बच सकें। चिकित्सा विभाग की डॉ. अंजलि दुबे और उनकी टीम के सदस्यों श्री कमलेश पाटीदार व श्रीमती नीलिमा चंद्रवंशी ने बिलारा गांव के सामुदायिक केंद्र में आयोजित इस कार्यक्रम में चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया। विश्वविद्यालय के योग विभाग की टीम और चिकित्सा की टीम ने गांव की आशा कार्यकर्ताओं की टीम को भी एक प्राथमिक ट्रेनिंग प्रदान की ताकि वो बाद में भी गांव वालों को योग के लिए प्रेरित कर सकें।

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

साँची विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षा आज

साँची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में विभिन्न विषयों में सत्र 2019-20 में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। प्रवेश परीक्षा दो सत्रों में प्रात: 10.30 से 1.30 बजे एवं 2.30 से 5.30 बजे तक होगी। विषय निम्नानुसार हैं-

बौद्ध अध्ययन, भारतीय दर्शन, वैदिक अध्ययन, भारतीय चित्रकारी, अंग्रेजी, हिन्दी, चीनी भाषा, पाली, संस्कृत एवं अन्य विषयों के लिए एमफिल, पीएचडी एवं एमए पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित है।

16 नवदुनिया
भोपाल, शनिवार 29 जून 2019

रायसेन जिला

सांची विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षा आज

रायसेन। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में विभिन्न विषयों में सत्र 2019-20 में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन आज 29 जून को किया जा रहा है। प्रवेश परीक्षा दो सत्रों में प्रात: 10.30 से 1.30 बजे एवं 2.30 से 5.30 बजे होगी। परीक्षा के विषय बौद्ध अध्ययन, भारतीय दर्शन, वैदिक अध्ययन, भारतीय चित्रकारी, योगा, आयुर्वेद, अंग्रेजी, हिन्दी, चीनी भाषा, पाली, संस्कृत एवं अन्य विषयों के लिए एमफिल, पीएचडी एवं एमए पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा होगी।

रायसेन पत्रिका

पत्रिका . शनिवार, 29 जून, 2019

सांची विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षा आज

रायसेन. सांची बौद्ध, भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में विभिन्न विषयों में सत्र 2019-20 में प्रवेश के लिए परीक्षा का आयोजन आज किया जा रहा है। प्रवेश परीक्षा दो सत्रों में सुबह 10:30 से 1:30 बजे एवं 2:30 से 5:30 बजे तक होगी। परीक्षा के विषय में बौद्ध अध्ययन, भारतीय दर्शन, वैदिक अध्ययन भारतीय चित्रकारी अंग्रेजी, हिन्दी, चीनी भाषा, पाली, संस्कृत एवं अन्य विषयों के लिए एमफिल, पीएचडी एवं एमए पाठ्यक्रम शामिल हैं।

सांची विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षा आज

Raisen News - **रायसेन| सांची बौद्ध.भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में विभिन्न विषयों में सत्र 2019-20 में प्रवेश के लिए...**

Bhaskar News Network | Jun 29, 2019, 08:55 AM IST

रायसेन| सांची बौद्ध.भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में विभिन्न विषयों में सत्र 2019-20 में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा 29 जून को रखी गई है। यह प्रवेश परीक्षा दो सत्रों में सुबह 10.30 से 1.30 बजे एवं 2.30 से 5.30 बजे तक होगी। यह परीक्षा विषयवार आयोजित की जा रही है, जिसमें बौद्ध अध्ययन, भारतीय दर्शन, वैदिक अध्ययन, भारतीय चित्रकारी, अंग्रेजी, हिन्दी, चीनी भाषा, पाली, संस्कृत एवं अन्य विषयों के लिए एमफिल, पीएचडी एवं एमए पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित हो रही है।

प्रेस विज्ञप्ति

सांची विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा आयोजित

- **अकादमिक सत्र 2019-20 के लिए परीक्षा का आयोजन**
- **दो सत्रों में आयोजित की गई लिखित प्रवेश परीक्षा**
- **मूल विषय एवं साइकोमीट्रिक एनालिसिस की परीक्षा में छात्र हुए शामिल**
- **05 जुलाई को विश्वविद्यालय वेबसाइट पर जारी होंगे लिखित परीक्षा के परिणाम**
- **11 एवं 12 जुलाई को होंगे इंटरव्यू**
- **17 जुलाई को आएगा फाइनल परिणाम**
- **कई विदेशी छात्रों ने भी किए हैं आवेदन**
- **मात्र इंटरव्यू में सम्मिलित होना होगा विदेशी छात्रों को**

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के रायसेन बारला स्थित अकादमिक परिसर में आज सत्र 2019-20 के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। सुबह 10.30 बजे से 01.30 बजे एवं दोपहर 02.30 से 05.30 बजे तक दो शिफ्टों में प्रवेश परीक्षा को आयोजित की गई।

पी.एच.डी, एम.फिल तथा एम.ए पाठ्यक्रमों के लिए यह प्रवेश परीक्षा योग, बौद्ध अध्ययन, भारतीय दर्शन, आयुर्वेद, वैदिक अध्ययन, संस्कृत, भारतीय चित्रकारी, अंग्रेज़ी और हिंदी विषयों में आयोजित की गई। 140 अंकों की लिखित परीक्षा में परीक्षार्थी से उसके मूल विषय तथा साइकोमीट्रिक एनालिसिस के प्रश्न पूछे गए। प्रश्न पत्र में मूल विषय के 50 वस्तुनिष्ठ प्रश्न के साथ ही 25 लघु उत्तरीय प्रश्न थे जबकि साइकोमीट्रिक एनालिसिस परीक्षा में 20 वस्तुनिष्ठ तथा 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे गए। विश्वविद्यालय के डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा नहीं रखी गईं। इन पाठ्यक्रमों में अहर्यता अनुसार मेरिट लिस्ट व इंटरव्यू के आधार पर प्रवेश प्रदान किया जाएगा।

इस सत्र में प्रवेश के लिए कई विदेशी छात्रों ने भी ऑनलाइन आवेदन किए हैं। सांची विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार विदेशी छात्रों को शनिवार को आयोजित की गई लिखित प्रवेश परीक्षा से छूट थी लेकिन उन्हें इंटरव्यू में सम्मिलित होना होगा।

लिखित परीक्षा में चयनित परीक्षार्थियों के इंटरव्यू भी आयोजित होंगे, जिनकी तिथि 11 एवं 12 जुलाई निर्धारित है। 11 जुलाई को डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, एमए, एमएफए, एमफिल तथा पीएचडी में लिए, जबकि 12 जुलाई को एमए, एमफिल एवं पीएचडी पाठ्यक्रमों के लिए इंटरव्यू होंगे। तिथि अनुसार जिन विषयों के लिए इंटरव्यू आयोजित किए जाएंगे वे निम्नानुसार हैं-

तिथि	पाठ्यक्रम	विषय
11 जुलाई	**डिप्लोमा पाठ्यक्रम**	**1. चीनी भाषा**
	सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम	**1. संस्कृत संभाषण एवं लेखन** **2. चीनी भाषा** **3. पाली भाषा एवं साहित्य**

	एम.ए	**1. बौद्ध अध्ययन 2. संस्कृत 3. वैदिक अध्ययन**
	एम.एफ.ए	**1. भारतीय चित्रकारी**
	एम.फिल	**1. बौद्ध अध्ययन 2. संस्कृत 3. वैदिक अध्ययन 4. भारतीय चित्रकारी**
	पी.एच.डी	**1. बौद्ध अध्ययन 2. वैदिक अध्ययन 3. भारतीय चित्रकारी**
12 जुलाई	**एम.ए**	**1.योग विज्ञान 2. अंग्रेज़ी 4. भारतीय दर्शन 5. आयुर्वेद**
	एम.फिल	**1.योग 2. हिंदी 3. अंग्रेज़ी 4. भारतीय दर्शन 5. आयुर्वेद**
	पी.एच.डी	**1. अंग्रेज़ी 4. भारतीय दर्शन 5. आयुर्वेद**

इंटरव्यू के बाद फाइनल परिणाम 17 जुलाई को बेवसाइट पर जारी किए जाएंगे जिसके बाद प्रवेश लेने की प्रक्रिया भी ऑनलाइन ही होगी। चयनित छात्रों को ऑनलाइन आवेदन के साथ-साथ दस्तावेज़ों की हार्ड कॉपी के साथ विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करनी होगी। सत्र 2019-20 का प्रारंभ 23 जुलाई, 2019 से होगा।

इंद्रप्रस्थ पृथ्विजय प्रकाशन

डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/4-233/2017-19

न दबाव, न भेदभाव

राष्ट्रीय हिन्दी मेल

भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और रायपुर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष-23 अंक-245 www rashtriyahindimail.in भोपाल, रविवार 30 जून 2019 vijaydas@rashtriyahindimail.in पृष्ठ-12 मूल्य ₹ 3.50

परीक्षा

मूल विषय एवं साइकोमीट्रिक एनालिसिस की परीक्षा में छात्र हुए शामिल

सांची विश्वविद्यालय में दाखिल होने से पहले दिया इम्तिहान

निज संवाददाता

रायसेन, 29 जून। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के रायसेन बारला स्थित अकादमिक परिसर में शनिवार को सत्र 2019-20 के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। प्रवेश परीक्षा सुबह 10.30 बजे से 01.30 बजे एवं दोपहर 02.30 से 05.30 बजे तक दो शिफ्टों में प्रवेश परीक्षा को आयोजित की गई। पीएचडी एमफिल तथा एमए पाठ्यक्रमों के लिए यह प्रवेश परीक्षा योग, बौद्ध अध्ययन भारतीय दर्शन, आयुर्वेद वैदिक, अध्ययन , संस्कृत, भारतीय चित्रकारी, अंग्रेज़ी और हिंदी विषयों में आयोजित की गई।

140 अंकों की लिखित परीक्षा में परीक्षार्थी से उसके मूल विषय तथा साइकोमीट्रिक एनालिसिस के प्रश्न पूछे गए। प्रश्न पत्र में मूल विषय के 50 वस्तुनिष्ठ प्रश्न के साथ ही 25 लघु उत्तरीय प्रश्न थे जबकि साइकोमीट्रिक एनालिसिस परीक्षा में 20 वस्तुनिष्ठ तथा 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे गए। विश्वविद्यालय के डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा नहीं रखी गई। इन पाठ्यक्रमों में अहर्यता अनुसार मेरिट लिस्ट व इंटरव्यू के आधार पर प्रवेश प्रदान किया जाएगा। इस सत्र में प्रवेश के लिए कई विदेशी छात्रों ने भी ऑनलाइन आवेदन किए हैं।

सांची विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार विदेशी छात्रों को शनिवार को आयोजित की गई लिखित प्रवेश परीक्षा से छूट थी लेकिन उन्हें इंटरव्यू में सम्मिलित होना होगा। लिखित परीक्षा में चयनित परीक्षार्थियों के इंटरव्यू भी आयोजित होगा जिसकी तिथि 11 एवं 12 जुलाई निर्धारित है। 11 जुलाई को डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, एमए, एमएफए, एमफिल तथा पीएचडी में लिए, जबकि 12 जुलाई को एमए एमफिल एवं पीएचडी पाठ्यक्रमों के लिए इंटरव्यू होंगे।

रायसेन पत्रिका

सोमवार, 01 जुलाई, 2019

सांची युनिवर्सिटी की प्रवेश परीक्षा संपन्न

रायसेन. सांची बौद्ध, भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के बारला स्थित अकादमिक परिसर में सत्र 2019-20 के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। दो शिफ्टों में आयोजित की गई परीक्षा में पीएचडी, एम फिल तथा एमए पाठ्यर मों के लिए परीक्षा योग, बौद्ध अध्ययन, भारतीय दर्शन, आयुर्वेद, वैदिक अध्ययन, संस्कृत, भारतीय चित्रकारी, अंग्रेज़ी और हिंदी विषयों में आयोजित की गई। 140 अंकों की लिखित परीक्षा में परीक्षार्थी से उसके मूल विषय तथा साइकोमीट्रिक एनालिसिस के प्रश्न पूछे गए। विश्वविद्यालय के डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यर मों में प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा नहीं रखी गई। इन पाठ्यर मों में अहर्यता अनुसार मेरिट लिस्ट व इंटरव्यू के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा।

शिक्षा 5 जुलाई को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी होंगे लिखित परीक्षा के परिणाम

सांची बौद्ध विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने दी परीक्षा

रायसेन। नवदुनिया प्रतिनिधि

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के रायसेन बारला स्थित अकादमिक परिसर में शनिवार को 2019-20 के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन कि या गया। सुबह 10.30 बजे से 01.30 बजे एवं दोपहर 02.30 से 05.30 बजे तक दो शिफ्टों में प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। पीएचडी, एमफिल तथा एमए पाठ्यक्रमों के लिए यह प्रवेश परीक्षा योग, बौद्ध अध्ययन, भारतीय दर्शन, आयुर्वेद, वैदिक अध्ययन, संस्कृत, भारतीय चित्रकारी, अंग्रेजी और हिंदी विषय के लिए आयोजित की गई।

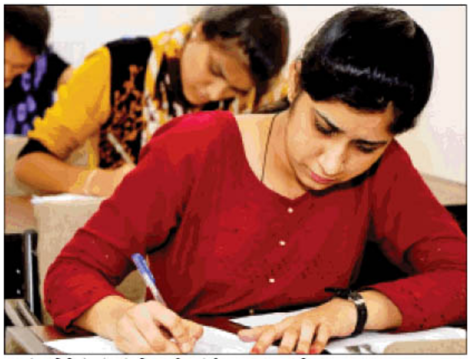

रायसेन । विवि में प्रवेश के लिए परीक्षा देती छात्रा। ● **नवदुनिया**

140 अंकों की लिखित परीक्षा में परीक्षार्थी से उसके मूल विषय तथा साइकोमीट्रिक एनालिसिस के प्रश्न पूछे गए। प्रश्न पत्र में मूल विषय के 50 वस्तुनिष्ठ प्रश्न के साथ ही 25 लघु उत्तरीय प्रश्न थे जबकि साइकोमीट्रिक एनालिसिस परीक्षा में 20 वस्तुनिष्ठ तथा 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे गए।

विवि के डिप्लोमा एवं सर्टिफिके ट पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा नहीं रखी गई। इन पाठ्यक्रमों में मेरिट लिस्ट व इंटरव्यू के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। इस सत्र में प्रवेश के लिए कई विदेशी छात्रों ने भी ऑनलाइन आवेदन किए हैं। सांची विवि के नियमों के अनुसार विदेशी छात्रों को शनिवार को आयोजित की गई लिखित प्रवेश परीक्षा से छूट थी लेकिन उन्हें इंटरव्यू में शामिल होना होगा। लिखित परीक्षा में चयनित परीक्षार्थियों के इंटरव्यू भी होंगे, जिनकी तिथि 11 एवं 12 जुलाई निर्धारित है।

11 जुलाई को डिप्लोमा, सर्टिफिके ट, एमए, एमएफए, एमफिल तथा पीएचडी में लिए, जबकि 12 जुलाई को एमए, एमफिल एवं पीएचडी पाठ्यक्रमों के लिए इंटरव्यू होंगे। इंटरव्यू के बाद फाइनल परिणाम 17 जुलाई को जारी होंगे जिसके बाद प्रवेश लेने की प्रक्रिया भी ऑनलाइन होगी। चयनित छात्रों को ऑनलाइन आवेदन के साथ-साथ दस्तावेजों की हार्डकॉपी के साथ विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करनी होगी।